

01 <sup>02</sup>/<sub>21</sub> , पञ्जावली हिसल तलवी

पट दिशा। प्राचीन पत्र मे' कुल

दावा समझने के आधार

पर, फलसम हो चुका है अतः

T. I. का कौचिल नहीं है

अतः T. I. पञ्जावली समझ

की नहीं है, सुगम गण

पञ्जावली फलसम सुगम होकर

नम्बर से कम है

२५३-

०१.२.२१

उपखण्डाधिकारी

मुण्डाबर (अलवर) राज०

